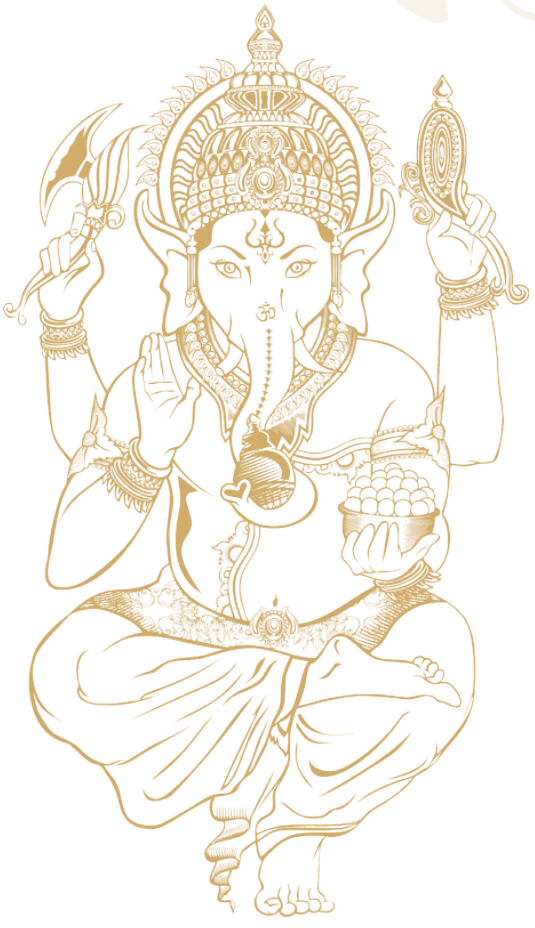

Subham

Shubhanshi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121349001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121349001 Date: 21/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/12/1998	जन्म तिथि	17/03/1999
सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 20:35:00	जन्म समय	14:35:00 घंटे
घटी 33:55:35	जन्म समय(घटी)	20:18:08 घटी
India	देश	India
Muzaffarnagar	स्थान	Meerut
29:28:00 उत्तर	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:00:46	सूर्योदय	06:27:41
17:20:22	सूर्यास्त	18:28:13
23:50:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:35

कर्क	लग्न	कर्क
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
कर्क	राशि	कुम्भ
चन्द्र	राशि-स्वामी	शनि
पुष्य	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
शनि	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	3
ऐन्द्र	योग	शुभ
कौलव	करण	नाग
डा-डालचंद	जन्म नामाक्षर	दा-दामिनी
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
मेष	योनि	सिंह
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
श्वान	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 2वर्ष 8मा 18दि		06:05:22	कर्क	लग्न	कर्क	12:56:58	गुरु 7वर्ष 6मा 15दि	
शुक्र		21:27:33	वृश्चि	सूर्य	मीन	02:28:51	बुध	
26/08/2025		14:45:32	कर्क	चंद्र	कुंभ	27:02:50	01/10/2025	
26/08/2045		11:48:38	कन्या	मंगल	तुला	18:21:05	01/10/2042	
शुक्र	26/12/2028	08:40:13	वृश्चि व	बुध व	मीन	07:00:47	बुध	28/02/2028
सूर्य	26/12/2029	25:18:19	कुंभ	गुरु	मीन	13:38:19	केतु	24/02/2029
चन्द्र	27/08/2031	00:57:28	धनु	शुक्र	मेष	04:54:03	शुक्र	26/12/2031
मंगल	26/10/2032	03:22:14	मेष व	शनि	मेष	07:52:14	सूर्य	31/10/2032
राहु	27/10/2035	00:51:26	सिंह व	राहु व	कर्क	27:58:41	चन्द्र	02/04/2034
गुरु	27/06/2038	00:51:26	कुंभ व	केतु व	मक	27:58:41	मंगल	30/03/2035
शनि	26/08/2041	15:59:32	मक	हर्ष	मक	21:16:55	राहु	16/10/2037
बुध	26/06/2044	06:25:10	मक	नेप	मक	09:50:33	गुरु	22/01/2040
केतु	26/08/2045	14:21:56	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:39:01	शनि	01/10/2042

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:21 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:35

लग्न-चलित

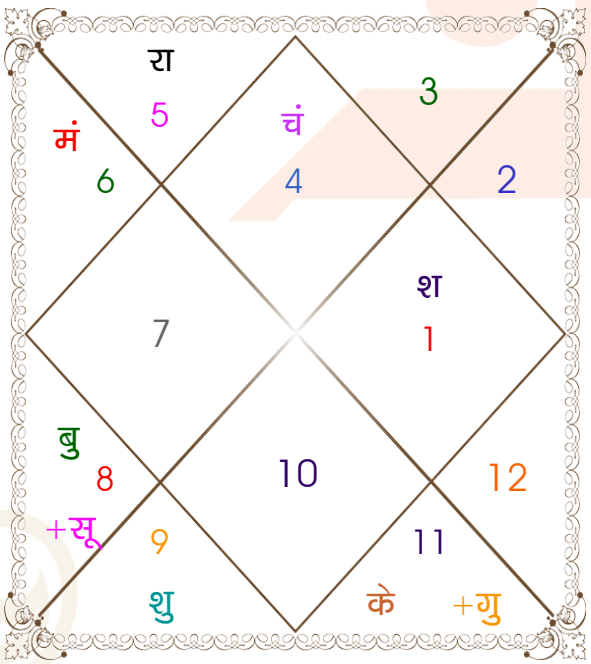

लग्न-चलित

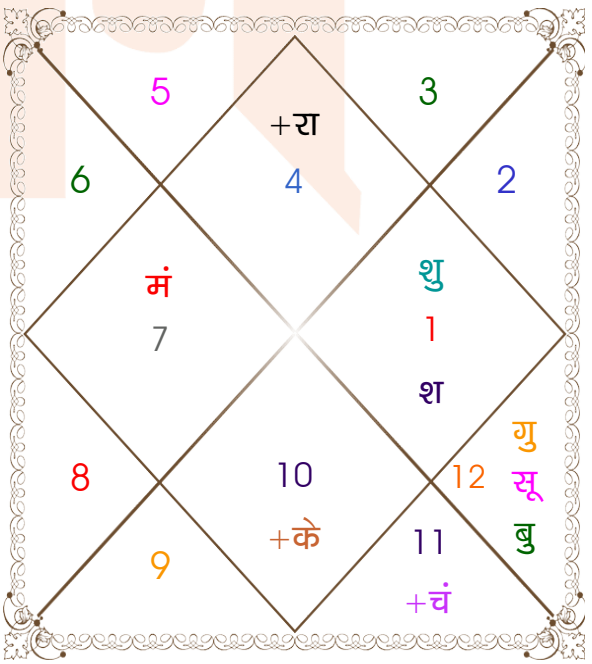

Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

कुल : **20.5 / 36**

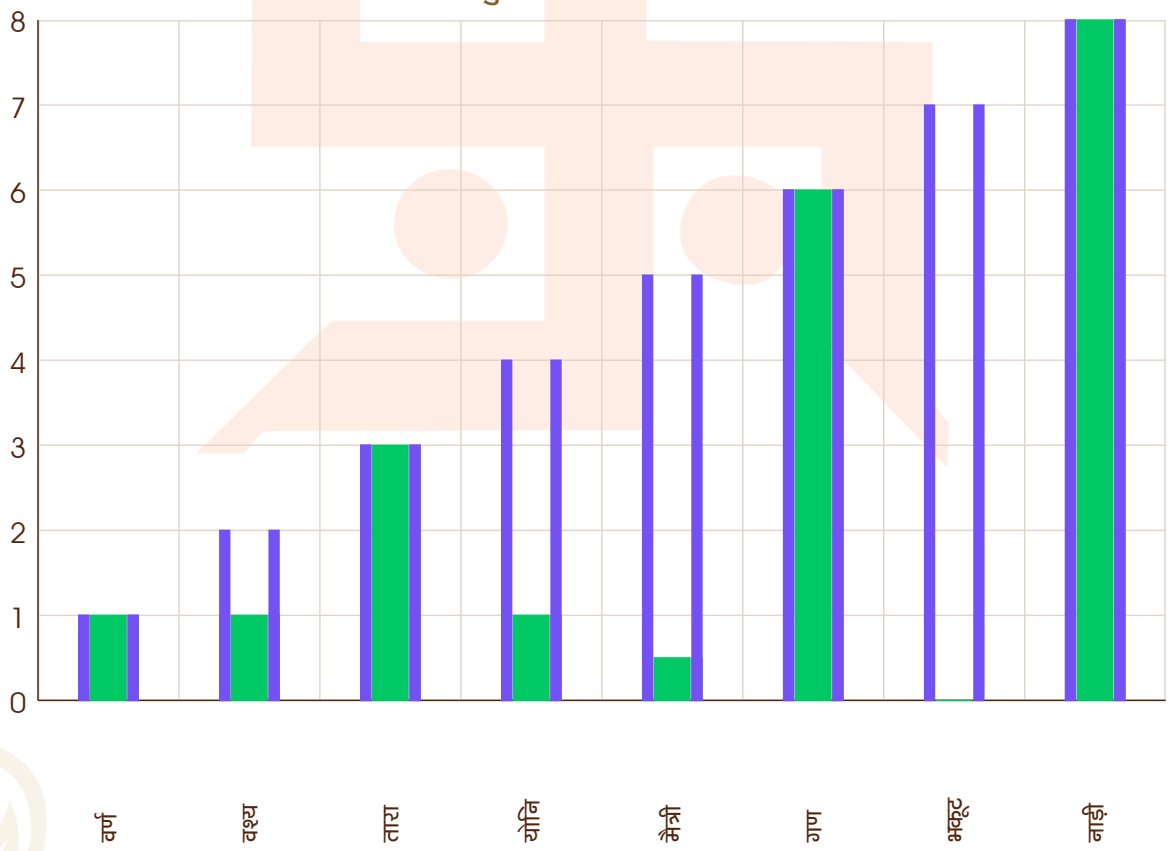

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Subham का वर्ग श्वान है तथा ौनईींदीप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Subham और ौनईींदीप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Subham मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

ौनईींदीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Subham कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Subham तथा ौनईींदीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Subham का वर्ण ब्राह्मण तथा ौनईंदीप का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। ौनईंदीप सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। ौनईंदीप एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

Subham का वश्य जलचर है एवं ौनईंदीप का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में ौनईंदीप अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Subham उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Subham की तारा सम्पत तथा ौनईंदीप की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Subham एवं ौनईंदीप दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। ौनईंदीप एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Subham की योनि मेष है तथा ौनईंदीप की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव

ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Subham का राशि स्वामीौनईदीप के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकिौनईदीप का राशि स्वामी Subham के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Subham का गण देव तथाौनईदीप का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतुौनईदीप अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Subham सेौनईदीप की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथाौनईदीप से Subham की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Subham एवंौनईदीप दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। Subham शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओरौनईदीप बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Subham की नाड़ी मध्य है तथा ैनिईंदीप की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Subham की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क तथा ौनईंदीप की राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ राशि है जल एवं वायुतत्व में स्वाभाविक समता एवं मित्रता का भाव रहता है। अतः Subham और ौनईंदीप के मध्य नैसर्गिक समानताएं विद्यमान होंगी तथा वैवाहिक जीवन में मधुरता रहेगी। अतः मिलान अनुकूल रहेगा।

Subham की राशि का स्वामी चन्द्र तथा ौनईंदीप की राशि का स्वामी शनि परस्पर शत्रु एवं समभाव में स्थित है। इसके प्रभाव से इनके मध्य विरोध एवं असमानता का भाव दृष्टिगोचर होगा। वे एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर वैमनस्य के भाव में वृद्धि होगी तथा वैवाहिक जीवन में अशांति अधिक रहेगी। यदि Subham और ौनईंदीप उपरोक्त तथ्यों की उपेक्षा करें तो वे किंचित शुभ फल प्राप्त कर सकते हैं।

Subham और ौनईंदीप की राशियां परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती है जो एक प्रबल भकूट दोष है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य अनावश्यक वाद विवाद होते रहेंगे जिससे परस्पर संबधों में तनाव उत्पन्न होगा। साथ ही Subham और ौनईंदीप के मध्य काफी मतभेद भी रहेंगे जिस पर कठिनाई से ही सहमति होने की संभावना रहेगी। इस प्रकार Subham और ौनईंदीप को सुखी दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने के लिए सहिष्णुता एवं धैर्य का परिचय देना पड़ेगा तभी किंचित शांति की प्राप्ति हो सकती है।

Subham का वश्य जलचर एवं ौनईंदीप का वश्य मानव है। जलचर एवं मानव के मध्य नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता रहेगी। शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता होगी तथा एक दूसरे को कामेच्छाओं में प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Subham का वर्ण ब्राह्मण तथा ौनईंदीप का वर्ण शूद्र है। अतः Subham की रूचि शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो के प्रति रहेगी परन्तु ौनईंदीप किसी भी प्रकार के कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी जिससे उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

धन

Subham की तारा सम्पत तथा ौनईंदीप की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Subham सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा ौनईंदीप के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Subham और ौनईंदीप को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन

में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से ौनईींदीप का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Subham की नाड़ी मध्य तथा ौनईींदीप की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका कोई दुष्प्रभाव इन पर नहीं पड़ेगा परन्तु मंगल की स्थिति प्रतिकूल रहेगी जिसके प्रभाव से Subham रक्त तथा पित विकार से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही हृदय रोग संबधी परेशानी भी होगी एवं रतिक्रिया संबंधी निष्क्रियता के भाव की भी उत्पत्ति की संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति की संभावना उत्पन्न होगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Subham को हनुमान जी की नियमित पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Subham और ौनईींदीप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Subham और ौनईींदीप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ौनईींदीप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ौनईींदीप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ौनईींदीप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Subham और ौनईींदीप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Subham और ौनईींदीप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ौनईींदीप के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत ौनईींदीप के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

ौनईदीप अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकारौनईदीप के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Subham के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि Subham तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से Subham के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।